>

Title : Need to provide adequate financial assistance to farmers and fishermen distressed due to drought and deficient rains in Vidarbha region of Maharasthra.

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर): महोदय, इस वर्ष अभूतपूर्व अकाल की स्थिति बनी हुई है। मानसून की वर्षा में विलंब और कमी के कारण किसानों को भारी क्षति पहुंची है। महाराÂष्ट्र राज्य के विदर्भ क्षेत्र में सिंचाई के अभाव के कारण वर्षाजल पर निर्भर किसानों को कपास, सोयाबीन, धान के उत्पादों से हाथ धोना पड़ा। इतना ही नहीं इसमें फौजी इल्लियों के रोग से बीच-खुची फसलें नÂट हो गई। खेती में अपनी फसलों को नष्ट होते देख कई किसानों ने आत्महतया की है। किसानों को बदहाल इस स्थिति से निकालने के लिए उन्हें सरकारी सहायता की आवश्यकता है। किसानों की खरीफ की फसलें बर्बाद हो गई, इसलिए उन्हें फसलों का नकद मुआवजा तथा अगली रबी की फसलों के लिए मुफत में बीज, उर्वरक और बिजली उपलबध कराने की आवश्यकता है। मैं केंद्र सरकार से मांग करता हूं कि विदर्भ में छाये अभूतपूर्व अकाल के संकट का गंभीर संज्ञान लेकर वहां के किसानों को उचित सहायता तत्काल देने के लिए कार्रवाई हेतु कदम उठायें। उसी तरह इसी क्षेत्र में अकाल तथा अवÂर्षण के कारण नदी, नाले, तालाब सूखने तथा आवश्यक मात्रा में पानी उपलबध नहीं होने से मतस्य व्यवसाय से संबंधित लोगों पर भी संकट दिखाई दे रहा है। मतस्य व्यवसाय ही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन होने के कारण विदर्भ में बहुसंख्या में रहने वाले मच्छीमार समाज के लोग आज भुखमरी के शिकार होने पर मजबूर हैं। जलाशयों के सूखने के कारण उन पर जो संकट बना हुआ है, उससे उन्हें निजात दिलाने के लिए किसानों की तरह नकद सहायता देने तथा उन्हें अंत्योदय योजना में शामिल कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत सस्ते दामों पर राशन देना सुनिश्चित करना चाहिए। मैं सरकार का ध्यान इस पर आकर्षित कर मांग करता हूं कि गरीब मच्छीमार लोगों को तत्काल राहत पहुंचाने के लिए केन्द्र सरकार राज्य सरकार को निर्देश दे तथा स्वयं इस मद में आवश्यक धनराशि का आबंटन कर किसानों और मच्छीमारों को सहायता सुनिश्चित करे।